३. निवास अपना-अपना

बताओ तो

- बिल्ली किसलिए घात लगाकर बैठी है ?
- कौए क्यों घबराए हुए हैं ? वे बिल्ली को क्यों भगा रहे हैं ?

बताओ तो

- घोंसले बनाने के लिए पक्षी किन चीजों का उपयोग करते हैं ?
- कौन-कौन-से प्राणी बिल में रहते हैं ?
- पाली गई मुर्गियाँ कहाँ रहती हैं ? उनके रहने की सुविधा कौन करता है ?

● घर की आवश्यकता

कड़ाके की ठंड, तेज बहने वाली हवा, अत्यंत तेज धूप, मूसलाधार बरसात से हमें कष्ट होता है । इनसे अपना बचाव करने के लिए हम घर में रहते हैं । घर के कारण चोरी का डर कम हो जाता है ।

कुछ लोग जंगल के अत्यंत समीप रहते हैं । उन्हें जंगली जानवरों का भी डर रहता है । घर होने से उनका यह डर कम हो जाता है ।

क्या हमारे समान ही प्राणियों को भी आवासों की आवश्यकता होती है ?

प्राणियों को आवासों की आवश्यकता होती है। वे प्राणी अपने लिए आवास बनाते हैं तो कुछ प्राणी परिसर की सुरक्षित जगह ढूँढ़कर निवास करते हैं ।

● **नया शब्द सीखो**

निवास – ऐसा सुरक्षित स्थान, जहाँ संकट से बचाव किया जा सकता है । ऐसा निवास जहाँ धूप, हवा और बरसात से रक्षा हो सकेगी ।

● अपने लिए निवास बनाने वाले प्राणी

तुमने पक्षियों के घोंसले अवश्य देखे होगे । घोंसले वास्तव में पक्षियों द्‌वारा अपने लिए तैयार किए गए निवास (आवास) ही हैं ।

अंडे खाने वाले कई प्राणियों से पक्षियों को भय रहता है । इसलिए अंडे देने के लिए पक्षियों को सुरक्षित स्थान की आवश्यकता होती है ।

अंडों से चूजे बाहर आते हैं । चूजे खाने वाले प्राणी भी होते हैं । चूजों में अपनी सुरक्षा करने की क्षमता नहीं होती । घोंसलों द्‌वारा चूजों की सुरक्षा होती है । इसीलिए पक्षी घोंसले बनाते हैं । घोंसले बनाने के लिए पक्षी सूखी घास, तीलियों का उपयोग करते हैं । कपास तथा रस्सी या सुतली के रेशों का भी उपयोग करते हैं । इनके द्‌वारा बनाए गए घोंसले अंदर से नरम तथा गरम बनते हैं । सभी पक्षियों के घोंसले एक समान नहीं होते ।

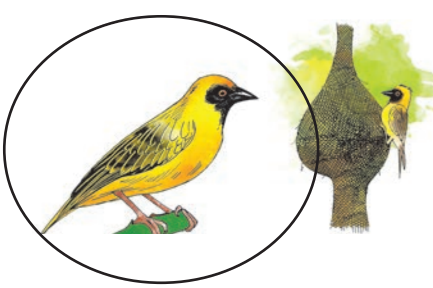

पक्षी अपने घोंसले के लिए सुविधाजनक जगह भी चुनते हैं। बया पक्षी को देखो न ! ये पक्षी घोंसले के लिए पानी के समीप काँटेदार वृक्ष पसंद करते हैं । वृक्ष की कुछ डालियाँ पानी के ऊपर झुकी हुई होती हैं । उसी ऊँचाई पर स्थित डाली पर बया का घोंसला होता है ।

अंडे खाने वाले प्राणियों का वहाँ जाना कठिन होता है ।

दर्जिन पक्षी गौरैया से थोड़ी छोटी होती है । वह घोंसला बनाने के लिए थोड़ी बड़ी पत्तीवाली किसी झाड़ी (क्षुप) को चुनती है । पास-पासवाली किन्हीं दो पत्तियों की सिलाई करके वह घोंसला बनाती है । सिलने के लिए वह धागे के रूप में किसी महीन लता का उपयोग करती है । ये छोटे घोंसले उस पक्षी के लिए उपयुक्त होते हैं ।

कुछ कीटक भी अपने निवास स्वयं बनाते हैं । मधुमक्खियाँ वृक्षों पर अथवा किसी ऊँची पहाड़ी की दरार की छत के नीचे छत्ते बनाती हैं ।

घूस (बड़ा चूहा) और चूहे खेत में जमीन के अंदर रहते हैं । वे जमीन को खोदकर अपने रहने के लिए बिल बनाते हैं ।

घूस तथा चूहे मनुष्य की बस्ती में भी रहते हैं । वे मिट्टी से बने घर की दीवारों अथवा जमीन में बिल बनाते हैं । सीमेंट से बने हुए पक्के घरों में ये प्राय: नहीं आ पाते क्योंकि सीमेंट के निर्माण को वे खोद नहीं पाते ।

● परिसर में बने-बनाए निवास खोजने वाले प्राणी

कुछ प्राणी निवास बनाने के लिए स्वयं कोई प्रयास नहीं करते । वे निवास के लिए परिसर की कोई सुविधाजनक जगह चुन लेते हैं । कुछ कबूतर और परेवा जंगल में रहते हैं । वे ऊँची तथा ढालू चट्टानों में बनी छोटी-छोटी दरारों में रहते हैं । कुछ कबूतर तो मनुष्य की बस्ती के पास भी रहते हैं । वे मिट्टी की फटी हुई दीवारों की खाली जगहों में अपना निवास खोजते हैं ।

बाघ, तेंदुआ तथा लकड़बग्घा पहाड़ी गुफा में रहते हैं ।

एक विशेष प्रकार के चमगादड़ ऊँचे वृक्षों पर रहते हैं ।

कुछ अन्य प्रकार के चमगादड़ पहाड़ियों की अँधेरी गुफाओं में रहते हैं अथवा वे पुराने खंडहरों में भी निवास खोजते हैं ।

क्या तुम जानते हो

- ऐसा कहते हैं कि नाग (साँप) बाँबी में रहता है परंतु यह सत्य नहीं है । चींटियाँ बाँबी बनाती हैं, नाग नहीं बनाता । नाग बिल में रहता है ।

● पालतू प्राणियों के निवास

कुछ लोग प्राणी पालते हैं ।
पाले गए प्राणियों के लिए वे निवास तैयार करते हैं ।

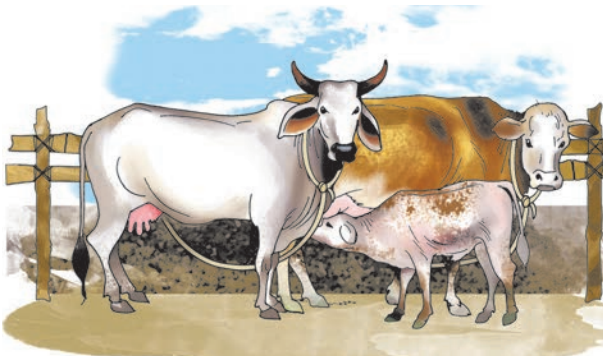

गायों के लिए गोठ बनाते हैं ।

मुर्गियों के निवास को दड़बा कहते हैं ।

घोड़े के निवास को अस्तबल कहते हैं ।

हमने क्या सीखा

* ठंड, तेज हवा, बरसात से बचाव करने के लिए प्राणियों को निवास की आवश्यकता होती है ।
* कुछ प्राणी अपने निवास स्वयं तैयार करते हैं ।
* कुछ प्राणी परिसर में बना-बनाया निवास ढूँढ़ते हैं ।
* हम कुछ प्राणी पालते हैं । पाले गए प्राणियों के लिए हम निवास तैयार करते हैं ।

इसे सदैव ध्यान में रखो

शौक के लिए क्या प्राणियों को पिंजड़े में रखना ठीक है ? प्राणियों को उनके प्राकृतिक परिसर में जीने देना चाहिए ।

स्वाध्याय

(अ) अब क्या करना चाहिए :

आजकल बहुत-से शहरों में पक्षियों की संख्या दिनोंदिन कम होती जा रही है । इसका कारण क्या हो सकता है ? इसमें पुन: वृद्धि हो, इसलिए क्या करोगे ?

(आ) थोड़ा सोचो :

(१) चींटियाँ किस पदार्थ से बाँबी बनाती होंगी ?

(२) 'बिच्छू पत्थर के नीचे पाया जाता है' ऐसा क्यों कहा जाता है ?

(३) कुछ कबूतर और कुछ परेवा जंगल छोड़कर मनुष्य की बस्ती के पास रहने के लिए आ गए हैं । कुछ चूहे मनुष्य की बस्ती के पास रहने लगे हैं । इसका क्या कारण होगा ?

(४) नीचे दिए चित्र के प्राणी और उनके निवास के अनुसार जोड़ियाँ मिलाओ :

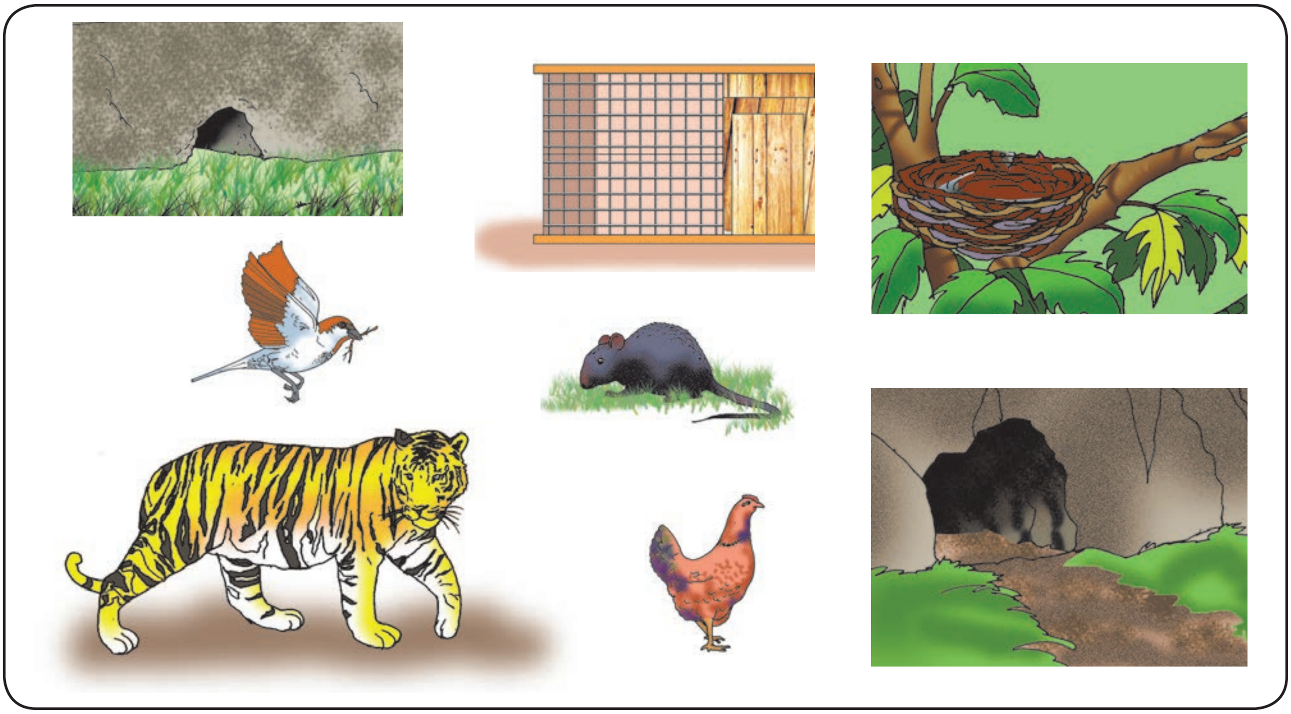

(इ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) सभी पक्षियों के घोंसले .... नहीं होते ।

(२) .... नामवाला पक्षी गौरैया से छोटा होता है ।

(३) कुछ पक्षी निवास बनाने के लिए स्वयं कुछ .... नहीं करते ।

(४) बाघ, तेंदुआ, ... पहाड़ी गुफा में रहते हैं ।

(५) घोड़े के निवास को .... कहते हैं ।

HEEVTP

(ई) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(१) पत्तियों को सिलने के लिए दर्जिन पक्षी किसका उपयोग करता है ?

(२) अंडे खाने वाले प्राणियों को बया के घोंसले में जाना कठिन क्यों होता है ?

(३) पक्षी अपने घोंसले को अंदर से नरम तथा गरम कैसे बनाते हैं ?

(४) घूस तथा चूहे सीमेंट से बनाए गए घरों में प्राय: क्यों नहीं आ पाते ?

(५) अँधेरी गुफाओं में रहनेवाले चमगादड़ और कहाँ निवास खोजते हैं ?

***